Nehru Yuva Sandesh

20th National Youth Festival, 12 – 16 January, 2016, Raipur, Chhattisgarh

Vol. 20/5 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Saturday 16 January, 2016

"Our duty is to encourage every one in his struggle to live up to his own highest idea, and strive at the same time to make the ideal as near as possible to the Truth"

— Swami Vivekananda

युवा संसद का हुआ आयोजन युवाओं से देश वैभव के शिखर पर आरुढ़ होगा – मुख्यमंत्री

रायपुर में आयोजित 20वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में पहली बार युवा संसद का आयोजन किया गया। संसद में दिल्ली सहित छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के चुने हुए छात्र पदाधिकारियों ने भाग लिया। युवा संसद का आयोजन नेहरू युवा संगठन के उपाध्यक्ष एवं युवा संसद के राष्ट्रीय संयोजक विष्णुदत्त शर्मा की पहल पर हुआ। युवा संसद में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह निर्वाचित छात्र पदाधिकारियों से मुखातिब हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने युवाओं से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। संवाद से पूर्व अपने प्रारंभिक उद्बोधन में डॉ. सिंह ने कहा कि जिस राष्ट्र और समाज के निर्माण का सपना स्वामी विवेकानंद सहित इस देश के महान मनीषियों ने देखा था, उसे यथार्थ करने का काम युवा पीढ़ी को करना है। छत्तीसगढ़ ने अपने निर्माण के 16 वें साल में कदम रखा है। देश की युवा तरुणाई का सबसे बड़ा समागम इसी बात को ध्यान में रखकर किया गया है कि देश के कोने-कोने से आये युवा छत्तीसगढ़ का साक्षात्कार कर सकें। तीन-चार दिनों से रायपुर का तापमान बढ़ा- बढ़ा सा लगता है और इसका कारण है देश के युवाओं की असीम ऊर्जा।

देश के युवाओं की कला ने न केवल यहां के अखबार रंगीन कर दिये हैं, अपितु पूरे प्रदेश का वातावरण रंगीन कर दिया है। छत्तीसगढ़ के विकास के बारे में बताते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि छोटा सा यह प्रदेश वन संपदा के मामले में अव्वल है। खनिज उत्पादन के मामले में दूसरा स्थान रखता है। जीरो कट बिजली वाला राज्य है। हम विकास की नई ऊंचाईयां छूने के लिए प्रयत्नशील हैं और युवा पीढ़ी को इस यात्रा में अपना स्थान सुनिश्चित करना है।

विकसित होते छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थान हैं, जो केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं अपितु देशभर के युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। हमारे 50 विधायक युवा हैं जिनकी आयु 35 वर्ष से कम है।

उन्होंने युवाओं का आव्हान किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की इच्छानुसार स्वच्छता, कुपोषण और शिक्षा की गुणवत्ता के क्षेत्र में युवा सहयोग करें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने युवाओं के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

इसके पूर्व प्रथम सत्र में युवा संसद को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि केवल राजनीतिज्ञ ही देश का नेतृत्व करें यह जरुरी नहीं। समाज का नेतृत्व चरित्रवान, मनीषी, धैर्यवान व्यक्ति भी कर सकते हैं। अपने-अपने क्षेत्र में रहते हुए भी राष्ट्र के लिए कार्य किया जा सकता है।

विवेकानंद ने कहा था कि जिसके चेहरे पर तेज हो, हृदय में करुणा-भाव हो, चेतना में संयम हो, इच्छा शक्ति प्रबल हो, गुरु के लिए आदर हो, जीवन में मूल्य हो, चरित्र श्रेष्ठ हो राष्ट्र को ऐसे युवाओं की जरुरत है। छात्रसंघ लोकतंत्र की पहली सीढ़ी है। नेता जितना सादा और सरल होगा, उतना ज्यादा प्रभावशाली होगा। सुविधाओं में कभी नेतृत्व पनप नहीं सकता केवल संघर्ष में सच्चे नेता का जन्म होता है। मुंह में शक्कर, सिर में बर्फ, सीने में आग, पैरों में चक्कर है, वही सही मायने में युवा है।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन के उपाध्यक्ष एवं युवा संसद के राष्ट्रीय संयोजक विष्णुदत्त शर्मा ने देश के सक्षम नेतृत्व की आवश्यकता पर बल दिया। देश की जनता के साथ विदेश भी आज भारत की युवाशक्ति से अपेक्षा रखती है। युवाओं को साहस के साथ कदम आगे बढ़ाने की जरुरत है।

हरि बोरिकर एवं प्रो. आर के दुबे ने युवाओं के दायित्व को राष्ट्र के प्रति दृढ़ संकल्पित होने की बात कही।

ने.यु.के. संगठन के महानिदेशक मेजर जनरल दिलावर सिंह, नेहरू युवा केन्द्र संगठन की शासीय निकाय की सदस्य रानी द्विवेदी, खेल मंत्री भैयालाल रजवाड़े, युवा आयोग के अध्यक्ष कमलचंद्र भंजदेव, शताब्दी पांडे, छात्रनेता सत्येन्द्र, अजित राणा, सन्नी खेड़ा, सौरभ शर्मा, दानसिंह देवांगन, अनिल तोमर, अजय प्रकाश सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न कॉलेजों के छात्र पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इससे पूर्व नेहरू युवा केन्द्र संगठन के उपाध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने मुख्यमंत्री महोदय के इस बात के लिए धन्यवाद दिया कि उन्होंने युवा उत्सव और युवा संसद के अपना मार्गदर्शन देने का समय निकाला।

Nehru Yuva Kendra Sangathan's pledge to Indian Army and PM: Blood Donation camp

Time and again, the Indian Army has sacrificed thousands of its soldiers to keep the country safe and peaceful. The least we could to do in return is to make sure they never face difficulty of blood during emergency. With this line of thought, national youth award winners under the guidance of Major General Dilawar Singh, Director General, Nehru Yuva Kendra Sangathan initiated a one of its own kind blood donation camp at the 20th National Youth Festival in collaboration with the Red Cross Society on the occasion of National Army Day. What began as an enthusiastic contribution at a personal level became a wave with over 175 units of blood collected in a matter of few hours. NYKS plans to extend this initiative nationwide with the underlying thought "Ten minutes of your time can save a soldier".

Major General Dilawar Singh also introduced a unique pledge that the youth signed post blood donation. It states that by donating blood, they commit to promoting and working in a planned manner for Prime Minister's initiatives of Skill India, Make in India, Digital India and to be shortly launched programme Start up India along with other important financial and social inclusion schemes like Swachh Bharat and Nirmal India campaigns. All the pledges would be collected and sent to the Prime Minister. The pledge also records what each one would want to do in order to make India the most powerful nation by 2019 and 2022.

Under the mentorship of Major General Dilawar Singh, the Nation Youth Awardees Group has been formed. This team of national award winners has pledged to work for Swachh Bharat Abhiyan cleaning Religious places, Statues of freedom fighters and Educational institutions as well as tourist places for the first three months. They also aim to initiate a number of skill development projects to create more employment for the youth.

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

Vol. 20/5 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Saturday 16 January, 2016

युवाकृति

दिनांक 15 जनवरी 2016 को छत्तीसगढ़ सरकार के युवा कार्य एवं खेल व लेबर मंत्री श्री भईया लाल राजवाड़े एवं माननीय उपाध्यक्ष श्री बी डी शर्मा द्वारा युवाकृति में भाग ले रहे युवाओं से वार्ता की। साथ ही उनके द्वारा सर्वश्रेष्ठ स्टाल के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किये। सर्वश्रेष्ठ स्टाल के चयन हेतु गठित समिति द्वारा असम प्रदेश के जनपद बोंगाईगांव के स्टाल को प्रथम (बिन्बू उत्पाद), कर्नाटक प्रदेश के जनपद मांडया (काटन साड़ी इत्यादि) को द्वितीय एवं हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जनपद को तृतीय पुरूस्कार (हिमाचल की टोपी एवं अन्य ऊनी उत्पाद) हेतु चयन किया गया।

पुरूस्कार स्वरूप क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय को राशि रू 5000, 4000 एवं 3000 दी गई।

राष्टीय युवा महोत्सव में युवा कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चल रहे लोकनृत्य का सिलसिला तीसरे दिन मनमोहक प्रस्तुतियों का दौर बदस्तूर जारी रहा। जिसमे तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, ओडिसा, आंध्र प्रदेश के युवा कलाकारो ने अपने प्रदेश के लोक नृत्य को दर्शको के सामने रखा कार्यक्रम में तमिलनाडु के कलाकारों ने अपने गांव के मंदिर एवं देवालयो में विशेष त्योहारो के दौरान गांव वालो के साथ मिलकर किये जाने वाला नृत्य कावडीअट्टम मैलअट्टम शामिल है एवं तेलंगाना से आये कलाकारों भी अपने परम्परागत कदड़ी नृत्य की झलकियो प्रस्तुत की। गुजरात की महिला कलाकारों ने घरी नृत्य की प्रस्तुति दी।

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले से आये युवा कलाकारो ने शैला नृत्य के माध्यम से दर्शको को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा देशभक्ति गीतो की झलकियां भी दिखाई। उत्तराखंड के कलाकारो ने अपने 'ढोल दमाक भानु' के साथ अपने पितृ नृत्य की प्रस्तुति दिए जो अपने स्वर्गवासी पूर्वजो की याद में उनके मुखौटे के पूजा कर मनाया जाता है। उड़ीसा के कलाकारो ने प्रेम प्रसंग और वैवाहिक परम्परा के लोकनृत्य प्रस्तुत किये। महाराष्ट्र के युवा कलाकारों ने दशहरा पर्व पर आदिवासियों द्वारा किये जाने वाले लोकनृत्य की उत्साह पूर्वक प्रस्तुति दी। आंध्र प्रदेश के युवाओ ने भगवान शिव जी की पूजा को अपने लोकनृत्य के रूप में प्रस्तुत किया।

तबला और गिटार

राष्ट्रीय युवा उत्सव 2016 के चौथे दिन हिदायतुल्ला राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित शास्त्रीय वाद्ययंत्रों की प्रतियोगी श्रृंखला के तीसरे दिन भारत के सबसे लोकप्रिय वाद्ययंत्रों में से एक तबला और गिटार वादन की प्रतिस्पर्धा आयोजित की गई, कार्यक्रम में अब तक की सबसे अधिक संख्या में 22 राज्यों से आये प्रतिभागियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में गोवा से आए ऋषिकेश फड़के ने तीनताल, तेलंगाना से आए एस. संदीप ने झपताल और छत्तीसगढ़ के दीपक दास महंत ने तीनताल से तबलों पर अपनी उँगलियों का जादू बिखेरकर दर्शको और निर्णायकों की खूब तालियां बटोरी, रायगढ़ निवासी दीपक दास महंत ने बताया की वे अपने गुरु प्रो. मुकुंद भाले के मार्गदर्शन में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ से तबले की विधिवत शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और संगीत के क्षेत्र में अपना करियर बनाने के इच्छुक दीपक आल इंडिया रेडियो की प्रतियोगिता में दूसरा स्थान बना चुके हैं और भविष्य में अपने छत्तीसगढ़ प्रदेश का नाम देश-विदेश में ऊँचा करना चाहते हैं।

गौरतलब हो की तबले का प्रयोग भारतीय संगीत में मुख्य रूप से वाद्य यंत्रो का साथ देनेवाले वाद्ययंत्र के रूप में किया जाता है जिसका 'तीनताल' हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध तालों में से एक है. तीनताल कुल सोलह मात्राओं का ताल है जिसमें चार-चार मात्राओं के चार विभाग होते हैं। तीसरे विभाग में खाली होती है जो नवीं मात्रा पर होती है तथा पहली मात्रा पर सम होता है. कार्यक्रम का दूसरा सत्र शास्त्रीय गिटार वादन पर आधारित रहा, जिसमे प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों देकर समां बाँधा। इस प्रकार तीन दिवसीय शास्त्रीय संगीत वादन प्रतियोगिता का समापन देर शाम हुआ।

विवेक – वाणी

- उतावले पन से कुछ नहीं होने का। सफलता के लिए ये तीन बातें अनिवार्य हैं–पवित्रता, धैर्य और अध्यवसाय; और सर्वोपरि चाहिए प्रेम। अनन्त काल तुम्हारे सामने है, इस उतावले पन की कोई आवश्यकता नहीं।
- सफलता प्राप्त करने के लिए जबरदस्त सतत प्रयत्न और जबरदस्त इच्छा रखो। प्रयत्नशील व्यक्ति कहता है, "मैं समुद्र पी जाऊंगा, मेरी इच्छा से पर्वत टुकड़े टुकड़े हो जाएंगे।" इस प्रकार की शक्ति और इच्छा रखो, कड़ा परिश्रम करो, तुम अपने उद्देश्य को निश्चित पा जाओगे।
- असफलता की चिन्ता मत करो, ये बिलकुल स्वाभाविक हैं, ये असफलताएं जीवन के सौंदर्य हैं। उनके बिना जीवन क्या होता? जीवन में यदि संघर्ष न रहे, तो जीवित रहना व्यर्थ है, इसी जीवन में है, जीवन का काव्य। संघर्ष और त्रुटियों की परवाह मत करो। मैने किसी गाय को झूट बोलते नही सुना, पर वह केवल गाय है, मनुष्य कभी नहीं। इसलिए इन असफलताओं पर ध्यान मत दो, ये छोटी–छोटी फिसलने हैं। आदर्श को सामने रखकर हजार बार आगे बढ़ने का प्रयत्न करो। यदि तुम हजार बार भी असफल होते हो, तो एक बार फिर प्रयत्न करो।

राष्ट्रीय युवा उत्सव की मनमोहक प्रस्तुतियों का मरीन ड्राइव बना गवाह

गुनगुनी धुप लिए हुए ढलती शाम और पानी की फुहारों के साथ देश भर के विभिन्न क्षेत्रों से आये हुए युवा कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आस्वादन करने पूरा रायपुर शहर तेलीबांधा स्थित मरीन ड्राइव पर उमड़ पड़ा। अवसर था बीसवें राष्ट्रीय युवा उत्सव के चौथे दिन आयोजित गैर-प्रतियोगी कार्यक्रमों का जिसमें आंध्र प्रदेश, गोवा, मध्यप्रदेश, सिक्किम, चंडीगढ़, राजस्थान, त्रिपुरा तथा दादर–नगर हवेली से आये प्रतिभागियों ने लगभग चार हजार लोगों के सामने अपनी अपनी लोक–कलाओं की प्रस्तुति दी. इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र संगठन के महानिदेशक मेजर जनरल दिलावर सिंह ने कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने वाले युवाओं की सराहना की।

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

Vol. 20/5 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Saturday 16 January, 2016

A well deserved cultural finale – Indian Ocean

The crazy riffs, soul stirring percussions and a voice so godly yet humble and familiar, Indian Ocean fans know what it is to hear them live. The cultural finale of the 20th National Youth Festival received a full house of thirsty loyal fans. Formed in 1990, Indian Ocean is one of the oldest and most respected bands of India. They are the pioneers of fusion music mixing ragas with rock music and extensive use of Shlokas, Sufism, Environmentalism, Mythology and Revolution. A lot of their songs are derived from various tribal languages.

Apart from all the things that the youth today need, one of the most important things is inspiration. From those who have done it. Indian Ocean is a perfect exemplary of how age is just a number that often only adds perfection to your art. The aggressive jugalbandis and the grip over notes are some of the strong points of Indian Ocean. Not to forget a significant amount of wit that keeps the audience entertained when not mesmerized by the music.

They opened with "Behne do" dedicated to the youth and how it should be set free to explore life followed by a very satisfying rock rendition of a five hundred old song by Kabirdas "Jheeni chadariya". Indian ocean's all time popular number "Bande" from Anurag Kashyap's 'Black Friday' was a most charged point of the evening owing to its exceptionally deep and meaningful lyrics that give shivers. Recent hits from Masaan "Mann Kasturi Re" and "Tu Kisi Rail Si" were especially liked by the audience.

"Cheetu" is another of their well known tribal classics that stole a lot of praises. Based on a song in Bheel language, it talks about how a man named Cheetu lost his life and bungalow to the British. Their popular song "Ma Rewa" had a much welcomed change - Gabgubi. Very usual for Indian Ocean, Gabgubi is an ancient Bengali instrument with two strings and was used by storytellers and street artists. The closing act of "Kandisa" were like the icing on the cake giving the evening a justified conclusion.

We are grateful...

It gives us immense pleasure to inform that the 20th National Youth Festival has come to its conclusion. And that we achieved what we had planned. Be it participation or competitive spirit, cultural amalgamation or forging of unity, intellectual development or creating synergy we have been successful in making this festival a significant milestone in youth development.

For the first time in last six decades honourable Prime Minister addressed the youth through video conference. In the 'Mann ki baat' episode of 27th December, Prime Minister explained about the National Youth Festival and invited the youth to participate with full zeal. He also made an honest effort in knowing the needs of the youth and asked them to post their comments on the Narendra Modi app. This not only enhanced the participation level but also gave us immense confidence and inspiration. It was extremely encouraging for them and their spirits reached new heights. We extend our sincere gratitude towards Prime Minister Narendra Modi for his thoughtfulness and words of wisdom that became the guiding factors for us to conduct this festival.

Words fail me to thank Dr. Raman Singh, Chief Minister, Chhatisgarh for his constant presence and support throughout the festival. He left no stone unturned to make the participants feel at home and inspired.

We would like to thank Shri Nitin Gadkari, Minister for Road Transport and Highways for inspirational and motivating interaction with the participants. He imbibed various teachings of Swami Vivekananda in his speech keeping the theme of our festival and organization alive. His presence added valueto the event.

Our heartfelt gratitude towards Shri Sarbanand Sonowal, our Minister of Youth Affairs and Sports, Govt. Of India, for his support, words of encouragement and guidance of youth during the festival.

We are grateful to Shri Bhaiya Lal Rajwade, Minister of Youth Affairs, Chhattisgarh for his able guidance and participation throughout this mega event.

We would also like to thank all the other ministers and public representatives of Chhatisgarh whose direct and indirect involvement in this festival made it a grand success.

For an event of this vastness and complexity where in over twenty events were conducted simultaneously at various locations across the city and over 8000 participants across the country were present, the management team had to be at the best. We would like to congratulate and thank the Chief Secretory, State government administration, local officers, employees and the organization team for being so cooperative, hospitable and professional in their approach.

Our gratitude towards all the Chief ministers of all the States that organized the State level Youth Festivals and sent their teams. It was a pleasure to see all the teams perform so well. We feel immense pride to acknowledge their level of dedication and sense of responsibility towards making this festival effective and meaningful.

We are grateful to Shri. V. D. Sharma, Vice Chairman, Governing Body, NYKS, Shri. Dilip Shaukia, Shri D. P. Singh, Ms. Rani N. Dwivedi and Shri. Perala Shekhar Rao and all other members for their support and guidance.

We would like to thank Shri. Rajeev Gupta, Secretary, Youth Affairs, Ms. Kiran Soni Gupta, Additional Secretary and Financial Advisor, Ministry of Youth Affairs and Sports Mr. L. K. Gupta, Joint Secretary, Youth Affairs. Without their guidance and support, this event would not have been possible. We are also greatly thankful to NSS and RGNIYD representatives for their support, valuable participation and conduct of meaningful events like Suvichar and Youth Convention.

We are grateful to Ramakrishna Mission, Raipur and Vadodara for providing us invaluable information, poems and articles of Swami Vivekananda.

We are sincerely grateful to all the speakers and judges for various sessions and events for their invaluable contribution in shaping and guiding young talents from across the country.

It is because of the constant print, radio, electronic and social media coverage that this event gained so much popularity. I am thankful to our friends from media for giving the much needed limelight to our festival.

Above all, we thank all the youth from Chhatisgarh and all the other states for who participated and helped us organise this festival in the first place. Their unparallel excitement, commitment and hard work is worth mentioning. Our youth has the head between their shoulders. Thank you for making this festival achieve its objectives.

Last but by no means the least, I would like thank and congratulate all the officers, volunteers and employees of Nehru Yuva Kendra Sangathan who have come all the way from their home states working day and night to make it happen.

I thank each and everyone who contributed to this festival, directly or indirectly and made this event possible.

Major General Dilawar Singh (Retd.),
Director General,
Nehru Yuva Kendra Sangathan

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

Vol. 20/5 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Saturday 16 January, 2016

Message

My heartiest congratulations to all for a wonderful 20th National Youth Festival. The turnout this year crossed eight thousand making this a huge success. It is very satisfying to see all the youth from various states interacting with each other. This kind of a cultural exchange has always been the objective of National Youth Festival.

We at the governing body have been actively trying to understand the needs of today's youth in order to customize our programmes to maximize impact. The primary focus of this year's festival was skill development. We witnessed a brilliant amalgamation of concepts like youth empowerment, leadership and symbiotic liaisons.

'Vasudev Kuttumbkam' being our guiding principle, Nehru Yuva Kendra Sangathan is in the process of reviving the youth policies in the view of achieving a global perspective towards youth developement. The idea is to connect the youth of our country with those of other countries. We are already working towards conducting the next National Youth Festival at a much larger scale.

It would be my request to the youth of my country to keep striving harder. One must never give up no matter what. Sooner or later, hard work always pays off.

"कोई लक्ष्य हमारे साहस से बड़ा नहीं, हार सोची जो लड़ा नहीं"

(Rani Nighot Dwivedi)
Member, B.O.G.
Nehru Yuva Kendra Sangathan

Message

The National Youth Festival is celebrated every year to mark the birthday of Swami Vivekananda. I believe his teachings, ideologies and philosophies have the key to achieve anything we want. All of us must not only study more about his teachings but also incorporate them into our daily lives. The 20th National Youth Festival stayed really close to the theme of skill development and harmony, both of which were Swami ji's primary concerns.

My advice to the youth would be to develop a good character. Before one sets out to change the country, one must retrospect and change himself to become a good human being. Rest everything will fall in place. When Swami ji was in Chicago, a woman laughed at him. When asked why did she laugh, she promptly replied, "I am not laughing at you, I am laughing at your clothes". Swami ji replied, "This is the difference between your culture and mine. Clothes define a person in your country where as Character defines a person in my country".

The youth must remember that any revolution in the history of mankind was a result of youth deciding to bring a change. Be it Gautam Buddha's enlightenment or Mahatma Gandhi's first fight against British. Be it Bhagat Singh's devotion to it's country or Swami Vivekananda's awakening. We need more Swami Vivekanandas and Gautam Buddhas. We need the youth to wake and realize their power.

(Dinesh Pratap Singh)
Member, B.O.G.
Nehru Yuva Kendra Sangathan

"दृढ इच्छा शक्ति और अदम्य साहस से सम्भव है हर काम"

दृढ इच्छा शक्ति और अदम्य साहस, भरपूर उत्साह हो तो जिन्दगी की राहें आसान हो जाती है और मंजिलें प्राप्त हो जाती है। यह बात शुक्रवार को नौजवानों की आदर्श पद्मश्री अरुणिमा सिन्हा ने राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में सुविचार के सत्र में संबोधित करते हुए कही।

सिन्हा ने कहा कि हादसे में उनकी एक टांग चली गई और ट्रेन की पटरियों के पास वह रात भर तड़पती रही। मेरी टांग जिंदगी भर के लिए चली गई। मैंने हार नहीं मानी। मैंने जीवन के सपने को पूरा करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और साहस को बनाए रखा। अपनी एक टांग के सहारे माउण्ट एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने में सफलता प्राप्त कर ली।

सिन्हा ने कहा कि औरत होने का मतलब कमजोर होना नहीं है, हमारे अन्दर की अनन्त शक्ति को जगाकर हम मजबूती से खड़े हो सकते हैं। सिन्हा का युवाओं ने भावपूर्ण स्वागत किया। रामकृष्ण मिशन के स्वामी निखिलेश्वरानन्द, दैनिक भास्कर के सम्पादक कल्पेश याज्ञनिक, जी. एस. सन्धू ,एरिया कमाण्डर, राजपूत रेजीमेन्ट ने अलग–अलग विषयों पर विचार रखें।

"Nation First Character Must" should be guiding principle for youth

First of all, my heartiest congratulations to all our dear youth for being such a wonderful example of peace, harmony and unity at the 20th National Youth Festival. You all have lived up to the theme and I couldn't have asked for more. It was overwhelming to be with you all for all these days and see you all laugh, dance, sing and bond with each other. I would look forward to seeing you all next year again. But before we call it a day, I would like to share some of my thoughts with you. I need you to take my message back home and spread it.

We are dreaming of taking our next Youth Festival to another level. We are planning to make it a Global festival and we need your support. We alone cannot do it. We would be successful in our attempts of creating Youth Revolution if over two crore of you join hands and walk with us. Our Prime Minister has a dream of making India the super power Swami Vivekananda once prophesied it to be. By 2019 (the 150th birthday of Mahatma Gandhi) and 2022 (75years of Independence of India), we have to become global pioneers in all walks of life especially Youth Leadership.

The government of the day is doing the best to help you create a stronger, better future India. I exhort you all to utilise all the available programmes and resources to their best. Programs like Skill India, Make In India, Digital India, Beti Bachao Beti Padhao, Mudra as well as various crop insurance and other social and financial schemes have a lot to offer. There's now a well established channel to hear you. It matters what you have to say. Install the Narendra Modi app your smart devices and speak your mind. Or drop in a mail to mera. bhavishya.mera.bharat@gmail.com. Stay assured, we are listening and will do our best to provide you an ideal congenial environment for growth, sustainability and prosperity. The upcoming Start up India programme will give you a chance to become self sustained entrepreneurs. It will enable those with an innovative technology-driven business idea to create their dreams into reality and see it prosper.

All I ask you is to take a pledge to start the process of change. It could be a small step as of now but it will have major implications on the future. Something as small as the pledge to keep your house and surroundings clean will eventually lead to a clean and green India. Adapt that change into your life. Make it a habit. Don't worry if you're the only one doing it. Remember, when you do the right thing, the world will eventually follow. Donate blood, enrol in civil services and defence forces, vote, conserve natural resources, reuse and recycle, contribute to Swachha Bharat Abhiyaan, make "Nation First Character Must" a principle for life. Make full use of various Skill Development programmes and become self dependent while doing you enjoy.

Be the medium of change. You must realize that you are the bridge between our future generation and our past generation. You have to absorb the right things, avoid the wrong and pass it on. For once just reflect upon this thought: You take most of the inventions for granted like electricity, internet, mobile phones, computers etc. However, the generation before you invented those so that you could have a better life. Now it is your turn to create a better future.

We all want you all to believe in yourselves. And you have our assured support and guidance. Together we will create a clean, empowered and superior India.

Wishing you all great success in Nation building.

Looking forward to hearing from you regularly.

Major General Dilawar Singh (Retd.),
Director General,
Nehru Yuva Kendra Sangathan

Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन

Vol. 20/5 | Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter | Saturday 16 January, 2016

छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकनृत्य

सुआ नृत्य–छत्तीसगढ़ की महिलायें, किशोरियां यह नृत्य बड़े उत्साह से यहां की प्रमुख फसल धान के पकने का समय पूर्ण होने पर दिवाली के कुछ दिन पूर्व प्रारम्भ करती है। लाल कपड़े से ढकी धान से भरी टोकरी जिसमें शिव पार्वती के प्रतीक रख श्रद्धापूर्वक नृत्य किया जाता है।

करमा नृत्य–आदिवासी जीवन में कर्म देवता को प्रसन्न करने वाले नृत्य कृषि श्रम संस्कृति की महत्ता को प्रदर्शित करते हैं। दशहरा से लगातार वर्षा के प्रारम्भ होने तक यह नृत्य किया जाता है।

पंथी नृत्य–छत्तीसगढ़ की सतनामी जाति का परंपरागत नृत्य माघ महीने की पूर्णिमा को गुरु घासीदास जयंती पर जैत खम्भ की स्थापना कर पूजन गीत के साथ गोल घेरा बनाकर आध्यात्मिक निर्गुण भक्तिगीत पर किया जाता है। इस नृत्य की विशेषता है कि यह धीमी गति से प्रारम्भ होकर समाप्ति से पूर्व निरन्तर तीव्र होता जाता है।

करसाड़ नृत्य–मुरिया जनजाति का नई फसल कटाई के बाद, नया चावल ग्राम देवी को अर्पित कर किया जाता है। इसमें जीवन साथी का चुनाव भी हो है।

गौर नृत्य–जंगली भैंसे का शिकार करते हुए अद्भुत, रोमांचक नृत्य शिकार की तलाश करते हुए किया जाता है। फिर शिकार का भोजन बनाया जाता है।

डुलकी व मांदरी नृत्य–मुरिया जनजाति के युवक ढोल लटकाकर एक ओर लड़की दूसरी ओर से हथेली बजाकर करती हैं।

डंडारी नृत्य–होली के अवसर पर गांव में चबूतरा बनाकर सेमल स्तम्भ स्थापित कर चारों ओर घूम–घूम कर नृत्य किया जाता है।

इसके अलावा गेंड़ी, परघौनी, दहरिया, गैड़ी, गौर, सरिया बाजा इत्यादि भी प्रमुख नृत्य हैं।

–सोनल राजेश शर्मा

मेरी कलम से...

युवा जोश, युवा क्रांति, युवा सोच,
युवा मन का अभिमान मैने देखा है, जी हाँ, छत्तीसगढ़
की सरजमीं पर,

पूरा हिन्दुस्तान मैने देखा है.....
सालों की मेहनत, युवा कृति का परिणाम मैने देखा है,
हुनर के दम पर उभरता इंसान मैने देखा है,
जी हाँ, छत्तीसगढ़ की सरजमीं पर,
पूरा हिन्दुस्तान मैने देखा है.....

धर्म अधर्म, जात–पात से परे,
युवा की शान, मैने देखा है,
देश के लिये मर मिटने का जुनून,
भारतवासी का सम्मान मैने देखा है,
जी हाँ, छत्तीसगढ़ की सरजमीं पर,
पूरा हिन्दुस्तान मैने देखा है.....

लोकतंत्र की नींव, कल के राजाओं का सार्थक अहंकार
मैने देखा है, मुद्दों की राजनीति से पहले इंसान के
विकास के लिये संवाद मैने देखा है,
जी हाँ, छत्तीसगढ़ की सरजमीं पर,
पूरा हिन्दुस्तान मैने देखा है.....

– तृप्ति सोनी

'Start up India' to be launched today

On the Independence Day of 2015, Prime Minister Narendra Modi introduced his plans of coming up with a new scheme 'Start up India' to help Indian youth become entrepreneurs. The good news is, he would be unveiling a work plan on the Start-up India programme today, January 16th 2016. In a live video conference, he would be addressing the crowd at the closing ceremony of 20th National Youth Festival and would give out details about the programme.

The Prime Minister would spend the day brain-storming with the leaders of start-up scenario in India. Likely to be present at the discussion would be Sachin Bansal, founder Flipkart, Kunal Bahl from Snapdeal, Bavish Aggarwal from Ola, Vijay Shekhar, founder Paytm, Shop Clues founder Radhika Agarwal, Oyo Rooms founder Ritesh Agarwal, Shalini Govil Pai, senior director of Google and YouTube, Kanwal Rekhi, partner of Inventus Capital, Anand Rajaraman, founding partner of Milliways Ventures, Ram Reddy, founder of Global Industry Analyst Inc and Asha Jadeja Motwani, founder of DotEdu Ventures. Interactive sessions with eminent global business leaders, including SoftBank founder and chief executive Masayoshi Son, Uber founder Travis Kalanick and WeWork founder Adam Nuemann, will be a crucial part of the event.

This is a one of its kind initiative by the Prime Minister to utilise the experience of those already established in the market and chart out a plan that is tangible, beneficial, self-sustaining and growth promoting. The core idea behind 'Start up India' is to assist the youth of the nation who have innovative business ideas. The ventures need not necessarily belong to the e-space. However, they must be technology driven. Startup India would join hands with other former initiatives of the Prime Minister like Make in India, Digital India and Mudra making the eco system stronger and more congenial for the youth to evolve and become successful entrepreneurs. The youth can also benefit from the policies like Crop Insurance plans and Skill India.

PM has also requested the people of India to install the Narendra Modi app on their smart devices and send him all their feedback directly. Those who can't do it on mobile they can upload their suggestions on mygov.in, facebook and twitter account of PMO India also. For those willing to email the same can do so at mera.bhavishya.mera.bharat@gmail.com. The event would be available on all audio visual platforms like YouTube as well as on the Narendra Modi app. The event will be telecast live in IITs, IIMs, NITs, IIITs and Central Universities and to youth groups in over 350 districts of India.

सृष्टि–गान

तब न सत् था, न असत् ही,
न यह संसार था, न ये आकाश,
इस धुंध का आवरण क्या था? वह भी किसका?
गहन अंधकार की गहराइयों में क्या था?

तब न मरण था, न अमरत्व ही,
रात्रि दिवा से पृथक नहीं थी,
किन्तु गतिशून्य वह स्पन्दित हुआ था
तब केवल वह था, जिसके परे
कोई अन्य अस्तित्व नहीं,
वही चराचर था।

तब तम में छिप कर तम बैठा था,
जैसे जल में जलसमाहित हो, पहचाना न जाए,
तब शून्य में जो था,
वह तप की गरिमा से मण्डित था।

तब मानस के आदि बीज के रूप में
प्रथम आकांक्षा उगी,
(जिसका साक्षात्कार ऋषियों ने अपने अन्तर में किया,
असत् से सत् जन्मा,)
जिसकी प्रकाश–किरण
ऊपर–नीचे चारो ओर फैली।

यह महिमा सर्जनमयी हुई
स्वतः सिद्ध सिद्धान्त पर आधारित
और सर्जनशक्ति से स्फुरित।

किसने पथ जाना! कहाँ अथ है, जहाँ से यह छूटा?
सर्जन कहाँ से हुआ?
सृष्टि के बाद ही तो देवों ने अस्तित्व पाया,
अतः उद्भव का ज्ञान किसे प्राप्त है?

यह सर्जन कहाँ से आया,
यह कैसे ठहरा है, ठहरा भी है या नहीं?
वह सर्वोच्च आकाशों में बैठा हुआ महाशासक
अपना आदि जानता है या नहीं? शायद!

– स्वामी विवेकानन्द

छत्तीसगढ़ के प्रमुख पकवान (खाना खजैड)

चौसेला– चावल आटा की पूरी
गुराम– आम गुड़ या शक्कर के साथ
सत्तू– गुड़ और चना
बबरा– चावल आटा और गुड़ का मालपुवा
रोठ– गेहूं आटा और गुड़
ठेठरी– बेसन का नमकीन
खुरमी– गेहूं आटा, गुड़ और तिल
बिसा– दूध को फाड़कर गुड़ मिलाकर
चिला– चावल आटा
पिठीया– चावल आटी, घी, शक्कर
पूरन लड्डू खाजा– मैदा और शक्कर
अईरसा– चावल आटा, तेल, गुड़
पपची बिढ़ीया– मैदा और गुड़
कोहड़ा पाग– कुम्हड़ा को पीसकर शक्कर के साथ
कुसली– खोवा और आटा की गुजिया
पंजरी– धनिया और शक्कर

सोनल राजेश शर्मा

Vol. 20/5 Nehru Yuva Kendra Sangathan Newsletter Saturday 16 January, 2016

20th National Youth Festival

Programme : 16 January, 2016

Closing Ceremony and Display of Para Motor & Para Drop Team by Indian Army

Dr. Shyama Prasad Mukherjee Udyog and Vyapar Parisar, New Raipur, Chhattisgarh

Published by The Media Wing, Nehru Yuva Kendra Sangathan, New Delhi. | www.nyks.org | E-mail: negijaipal@yahoo.co.in